

12/11/21

प्रजावली पेशी. मेकापी वकीव वादे दे
अनुभव ^{उमद} परसकातर लो राजोवला हो चुकाई
प्रजावली गोजु हा दुरत मे वर को जाही
ही प्रजावली केशाण बुगाए होय कादलुके
सकरीव जाकरा दाविकु दकल हो।

